

Q.1

- (A) पुच्छ तारा \Rightarrow यह आकाशीय बालू जैसे वहिम कणों से निर्मित पिंड है, जो क्षीयमान कक्षा में सूर्य की परिक्रमा करते हैं।
- उदाहरण \Rightarrow हेनरी धूमकेतु (16 वर्षों में 1 बार दिखाई देता है)। 1982 में दिखाया तथा भाविष्य में 2062 में यह तारा दृश्यमान होगा।
 - मानवीय मिशन - रोसेटा

- (B) 30 \Rightarrow उपग्रह एवं अपग्रह :- यह पृथ्वी तथा चन्द्रमा की दूरी को दर्शाते हैं।
- उपग्रह = इस दौरान पृथ्वी व चन्द्रमा के मध्य दूरी कम होती है तथा चन्द्रमा अधिक चमकदार दिखाई देता है।
 - यह लगभग 362600 कि.मी. की दूरी पर होता है।
 - अपग्रह :- इस दौरान पृथ्वी व चन्द्रमा की दूरी अधिक होती है।
 - यह लगभग 405400 कि.मी. होती है।

- (C) 30 \Rightarrow हरमद्वन्द्व :- यह पश्चिमी अक्षांश में बहने वाली पवनें हैं।
- यह शुष्क व धूलभरी होती है।
 - यह नवम्बर से मार्च के मध्य तक बहती है।

30) हिमानी द्वारा निर्मित तीन स्थल आकृतियों के नाम
 - लटकती घाटी
 - होर्न
 - इभलिन

31) चारवाड शील समुह - इन शील समुह का नाम कर्नाटक में स्थित "चारवाड" नामक स्थान के अंधार पर रखा गया है।

- यह मध्यप्रदेश, कर्नाटक, असम आदि (मध्यप्रदेश) में विस्तार देखने को मिलती है।
- चातु तथा खनिज पाए जाते हैं इन चट्टानों में
- आर्जियन चट्टानों के अवशेष हैं।

32) चिन्टा शील :-

- यह भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की शील है।
- यह कोल एवं बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्र उड़ीसा में स्थित है।
- उड़ीसा के जट "आलिव रिडले" कुट्टे के प्रजनन केन्द्र के रूप में भी प्रसिद्ध है।

33) लिपुलेख दर्रा :- दर्रा अर्थात् पर्वत शृंखलाओं के मध्य में ऐसे घाटी नुमा स्थान जहाँ से आवागमन संभव है।
 - यह हिमाचल पर्वत का दर्रा है।
 - भारत के उत्तराखण्ड राज्य में स्थित है।

(H)

30 ⇒ न्यु नुर द्वीप ⇒ यह द्वीप गंगा व ब्रह्मपुत्र नदी के मुहाने पर स्थित है।

- जो भारत व बांग्लादेश के मध्य विवादित था
- यह द्वीप समुद्री तरेगा द्वारा नष्ट हो गया है।

(I)

30 ⇒ एक्सप्रेस वे :- यह सबसे उच्च वर्ग के सड़क नेटवर्क होते हैं।

- यह 6 या 8 लेन हो सकते हैं।
- राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (भारत सरकार) के की महत्वपूर्ण परियोजना है।
- सीमा क्षेत्र में "एक्सप्रेस वे" के निर्माण से हाल ही में भारत व चीन के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ था।

(J) कराक नदी :-

- कराक नदी का उद्गम उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर से होता है।
- = यह ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी है।
- भारत व बांग्लादेश के मध्य सीमावर्ती है।

(K)

FSSAI :- "फूड सेफ्टी एंड स्टेनडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया" का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

- मुख्यालय - नई दिल्ली
- स्थापना - अगस्त 2011 में की गई थी।

(L) 30) कृषि निर्यात क्षेत्र :-

(M) 30) चकवही \Rightarrow इसे हदबंदी भी कहते हैं।
शेरी को दुकानों में विक्रय करने से रोकने की विधि

(N) 30) फर्टिगेशन \Rightarrow

(O) 30) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान :- आपदा के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख संस्थान है।

- स्थापना - 1995 में की गई थी।
- मुख्यालय - नई दिल्ली

(P) 30) पृथ्वी की आन्तरिक संरचना :-

पृथ्वी प्रमुख रूप से तीन भागों -

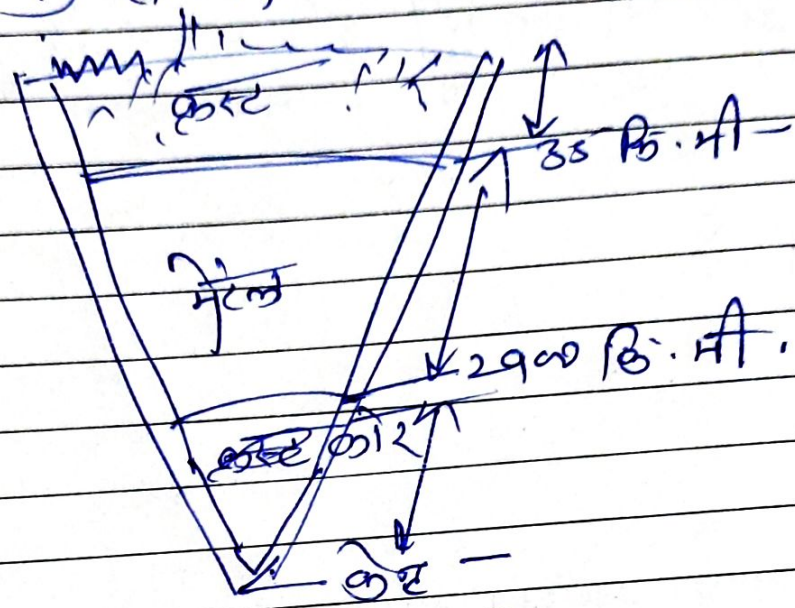
- क्रस्ट
- मैनटल
- कोर में विभक्त की जा सकती है।

क्रस्ट \Rightarrow यह ऊपरी परत है जो लगभग 35 कि.मी. तक पाई जाती है।

- इसी पर वनस्पति का अंतरण होता है।
- इस परत की मोटाई समुद्र तथा स्थलीय सतहों

पर भिन्न-भिन्न होती है।

- मैटल \Rightarrow यह पृथ्वी की आन्तरिक मध्य परत है जो लगभग 2900 कि.मी. तक फैली जाती है।
- कोर \Rightarrow यह पृथ्वी का केन्द्रीय भाग है जिसका ताप अत्यधिक लगभग 6000°C होता है।



2. (30) जल समार. एवं स्थल समार. -
- जल शक्तियों पर बहने वाली समार. जलमय समार. तथा स्थलीय भागों पर बहने वाली समार. को स्थलीय समार. कहते हैं।
 - जल समार. को जल धाराओं की दिशा का निर्धारण करती है।
 - स्थलीय समार. भारत में मानसून की सहायता निधारण करती है।
 - पड़ पड़ुआ पवने व्यापारिक पवने आदी स्थल तथा जल दोनों भागों पर दृष्टिगोचर होती है।
 - जलीय भागों में अवरोधों की अनुपस्थिति के कारण बने वेग अधिकतम होता है।
 - उदाहरण - गारजली चालीसा, प्रचंड पचासा आदी।

1
30) ~~वेद संस्कृत परिचय~~

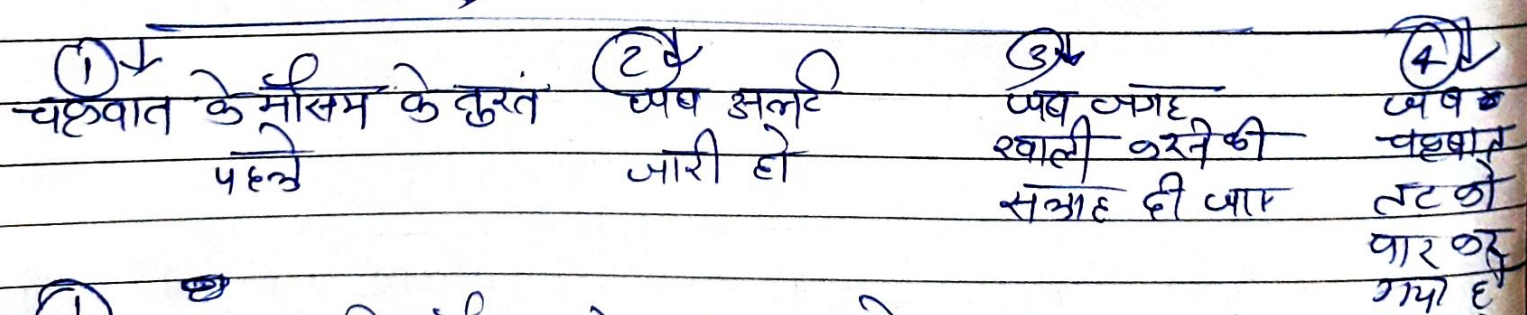
- 2
1) 30) वायु अपरदन द्वारा निर्मित स्वलाहृतियाँ :-
- वायु अपरदन अर्थात् वायु द्वारा किसी स्थान या क्षेत्र विशेष का अपरदन
 - यह मुख्यतः ~~वेद~~ ऐसे स्थानों पर होता है, जहाँ ऊँचाई अधिक होती है।
 - उदाहरण - इंसोबर्ग, थारडॉंग, बालुजा स्तूप, लोएस ^{हादी}
 - इंसोबर्ग - इसमें अपरदन के कारण चट्टानें सपाट हो जाती हैं जिन्हें इंसोबर्ग कहते हैं।
 - थारडॉंग - चट्टानों में नालनुमा गड्ढे वायु के घर्षण के कारण निर्मित हो जाते हैं जिन्हें थारडॉंग कहते हैं।
 - बालुजा स्तूप - यह टीलेनुमा स्वलाहृति होती है।
 - लोएस :- यह मैदान के रूप में बनते हैं, जो हवा द्वारा बहने वाले बहुत पतले मृदा कणों के जमाव के कारण व्यापक रूप से बनते हैं।

2
1) 30) चेरनोबिल 1986 :- परमाणु दुर्घटना जो मानव इतिहास की सबसे बड़ी दुर्घटना में से एक थी - यह अप्रैल 1986 में यूक्रेन स्थित परमाणु संयंत्र में हुई थी।

- यह डाढ़सा उस समय हुआ था जब रक्षा उपकरणों की जांच की जा रही थी कि ये उस काल काम कर रहे या नहीं जब सैत्र की विप्ली चली जाये
- इस परिक्षण में रिक्टर-चार की विप्ली बंद कर दी गई थी, परन्तु गडबडी के कारण रिक्टर के कोर में अभिहिमा तेज हुई तथा पानी भाप में बह गया, हवाक अधिक होने से पिस्फोट हुआ तथा ग्रेफाइट में आग लग गई जिससे रेडियो घर्मी पदाथ पातावरण में मुक्त हुई
- जान तथा मान दोनों का बहुत अधिक नुकसान हुआ।

2) चहवात की क्षति से बचने के उपाय : — आस्तीप महल्लिप में

- डाढ़ ही में चहवातों की पारम्भारता देखी गई जिससे व्यापाक का जान तथा मान ही लानी हुई है
- डाढ़ ही में देखे गए चहवात - निरसग, आदी
- अक्षति से बचने के उपाय : —
- 4 क्षणीयो में बात जा सकत है



① चहवात के मौसम के तुरंत पहले — घर की मरम्मत करे

- मृत लकड़ी व मृतपारे पेड़ जो घर के पास हैं। उन्हें हटा दिया जात है आदी।

- 2) जब कृषि आरंभ हो। -
 - चेतावनी पर निगरानी करें इरेडियो सुनें।
 - आधिकारिक जानकारी पर विश्वास किया जाए।
- 3) जब अगह खाली करने के निर्देश प्राप्त हों।
 - अपने व परिवार के लिए कुछ दिनों तक पर्याप्त सभ्य सावधानी लें।
 - आहत स्वच्छ पर निम्नोक्त व्यक्ति के निर्देशों का पालन करें।
- 4) - झुलते व नीले तारों से बचे।
 - वाहन सावधानी से चलाएं।
 - अपने आस-पास मलवा छुंते साफ करवाएं।

2
L
30) - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग :- खाद्य प्रसंस्करण अर्थात् खाद्य पदार्थों को प्रोसेसिंग द्वारा निर्दिष्ट काष्ठ तत्त्व खाद्य योग्य बनाने रखना तथा उसकी गुणवत्ता में सुधार करना।
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए एच. एम. ए. में काफी समय से कार्य किया जा रहा है जो आविष्कार में उद्योग की स्थापना की रक्षा सह प्रदर्शित किया है।
इन्होंने वर्ष 2018-19 में एच. एम. ए. समिति में विभिन्न उद्योग वरानों को एच. एम. ए. में उद्योग स्थापना के लिए आमंत्रित किया गया था तथा नियमों में विल भी देव ही गर है।

उ. 1

303) समुद्री जल में पाए जाने वाले लवण की मात्रा जिसे (पी. पी. पी.) 'पार्ट पर मिलियन' यूनिट में मापा जाता है समुद्री लवणता का निर्धारण करती है।

- समुद्री जल में पाए जाने वाली लवणों की मात्रा को ही समुद्री लवणता कहते हैं।
- विश्व में सबसे अधिक लवणता "मृत सागर" में पाई जाती है।

समुद्री लवणता को प्रभावित करने वाले कारक -

- ताप
- दाब
- वर्षा
- समुद्री जल में मिलने वाली स्वच्छ जल की मात्रा
- वाष्पीकरण
- मानवीय गतिविधियाँ

- 1) ताप \Rightarrow ताप बढ़ने पर जल का वाष्पन होगा तथा लवण की मात्रा बढ़ेगी।
- 2) दाब \Rightarrow यदि अन्य कारक लगभग करीब न ही हों तो दाब बढ़ने पर लवण की मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं, हल्लिगोचर होता है।
- 3) वर्षा \Rightarrow अधिक वर्षा वाले स्थानों पर लवणता कम पाई जाती है।
- 4) जल नदियों के जल का समुद्र जल में मिलने से लवणता कम होरी है।
- 5) वाष्पीकरण \Rightarrow अत्यधिक ताप से लवणता बढ़ती है।
- 6) मानवीय गतिविधियाँ जैसे अपशिष्ट पदार्थों व समुद्री जल में मवाद अत्यंत हानिकारक है।